>

Title: Problem relating to the supply of fertilizer in the Country.

चौधरी विजेन्द्र सिंह (अलीगढ़) : महोदय, आपने बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया है। महोदय, हमारे देश में 70 प्रतिशत लोग किसान हैं। यूपीए सरकार ने किसानों के लिए बहुत सारी लाभकारी योजनाएं चलायी हैं, किसानों के क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ायी है, न्यूनतम ब्याज पर लोन देने की योजना बनायी है, मूल्य निर्धारण के लिए आयोग बनाया है और उचित मूल्य देने की कोशिश की जा रही है, लेकिन महोदय, उत्तर प्रदेश और पूरे देश में इस समय रबी की फसल की बुआई का वक्त है। रबी की फसल मुख्य फसल है। यह शत-प्रतिशत लोगों को भोजन देती है। आज पूरे उत्तर प्रदेश में खाद्य की समस्या पैदा हो गयी है। महोदय, भारत सरकार, यूपीए सरकार ने तीन सौ साठ करोड़ मीट्रिक टन खाद दिया है, जबकि यू.पी. सरकार ने तीन हजार तीन सौ तीस मीट्रिक टन खाद की मांग की थी।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, इतनी डिटेल्स की बात नहीं है।

चौधरी विजेन्द्र सिंह : 3331 हजार मीट्रिक टन खाद ...(व्यवधान) लेकिन महोदय, आज उत्तर प्रदेश में किसानों की लम्बी-लम्बी कतारें चौबीसों घंटे सड़कों पर पड़ी हैं। तमाम सहकारी, सरकारी और डीएपी खाद, एमपी खाद की समस्या खड़ी है। किसान बिल्कुल बर्बाद हो चुका है और आर्थिक रूप से वह तंगी के हालात में पहुँच गया है। किसान इस समय डुप्लीकेट खाद डालने के लिए मजबूर है। महोदय, डुप्लीकेट खाद से उत्पादन की कमी होगी और उत्पादन की कमी होने से देश की जनता के सामने खाद्यान्न का संकट पैदा होगा। महोदय, मैं आपके माध्यम से यूपीए सरकार से कहना चाहता हूँ, यूपीए सरकार का ध्यान आकर्षित करवाना चाहता हूँ कि वह यूपी सरकार को खाद की आपूर्ति के लिए निर्देशित करे, वहाँ खाद पहुँचाने की कोशिश करे ताकि किसान अपनी फसल की पैदावार का अधिक उत्पादन कर सकें। यह मेरी आपसे विनती है। धन्यवाद। ...(व्यवधान)